web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 22 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 295

## महत्वपूर्ण एवं खास

### अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग पर दर्दनाक हादसा: ट्रक और बस के बीच भीषण भिड़ंत, 16 लोगों की मौत

**लापाज़।** बोलीविया को चिली से जोड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सडक़ दुर्घटना में सोलह लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। ला पाज़ यातायात परिचालन संगठन के दुर्घटना प्रभाग के निदेशक निलो टोरिको ने कहा कि चिली के साथ देश की सीमा से बोलीविया लौट रहा एक मालवाहक ट्रक चिली के अरिका क्षेत्र की ओर जा रही एक यात्री बस से टकरा गया। घायलों सात महिलाओं और सात पुरुषों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा गया। टोरिको ने कहा, उच्च-टन भार वाले वाहन का चालक विपरीत लेन में चला गया और बस से टकरा गया। घटना में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही थी।

### कंबोडिया में धोखाधड़ी का शिकार हुए 14 भारतीय नागरिकों को बचाया

**नोम पेन्ह ।** कंबोडिया में नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी का शिकार हुए 14 भारतीय नागरिकों को बचाया गया है। यह जानकारी नोम पेन्ह में भारतीय दूतावास ने दी। दूतावास ने बताया कि कंबोडियाई अधिकारियों के सहयोग से अब तक धोखाधड़ी के शिकार हुए 650 से अधिक भारतीय नागरिकों को बचाया गया है और वापस भारत भेजने में मदद की है। दूतावास ने धोखाधड़ी का शिकार हुए भारतीय नागरिकों के बारे में कंबोडियाई पुलिस को जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस के सहयोग से 14 और भारतीय नागरिकों को बचाया गया। बचाए गए लोगों की देखभाल की कंबोडिया के सामाजिक मामलों और युवा पुनर्वास मंत्रालय के समन्वय में काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन द्वारा जा रही है। भारतीय दूतावास ने कहा कि वह कंबोडियाई अधिकारियों के संपर्क में है और 14 बचाए गए भारतीय नागरिकों को सुरक्षित और समय पर भारत वापस भेजने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करने का अनुरोध कर रहा है। दूतावास ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और कंबोडिया में भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दूतावास ने एक बयान में कहा है, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे देश में किसी भी नौकरी की पेशकश पर अत्यधिक सावधानी बरतें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना नोम पेन्ह स्थित दूतावास को दें।

### मोगा बरनाला रोड पे दो कारो की हुई भीषण टक्कर, 4 की हालात गंभीर इनमें दो बच्चे भी शामिल

**मोगा (आरएनएस)।** बरनाला रोड पर गांव बोड़े के पास तेज रफ्तार दो कारों की भीषण टक्कर हो गई। इसमें 6 लोग घायल हो गए और 4 की हालत गंभीर हैं इसमें दो बच्चे भी शामिल हैं। एस एस एफ टीम के सदस्यों ने घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया है। वहीं मौके पर चश्मदीद ने कहा कि हम मोगा साइड से आ रहे थे मेरे आगे वाली गाड़ी भी मोगा साइड से बरनाला जा रही थी। जब गांव बोडे के पास पहुंचे तो मेरे आगे वाली कार का संतुलत बिगड़ गया और दूसरी साइड से आ रही कार के साथ टकरा गई। एक कार में सात लोग सवार थे जिनको सरकारी हस्पताल मोगा भेज दिया गया है। दूसरी कार में एक डेढ़ साल का बच्चा था जिसे किसी निजी अस्पताल में ले जाया गया है।

### केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद सडक़ हादसे में घायल, सिर पर आई चोट; काफिले की गाड़ियां हुई क्षतिग्रस्त

**पीलीभीत (आरएनएस)।** उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के काफिले की गाडिय़ां आपस में टकरा गईं। प्रसाद के निजी सचिव शशि मोहन तथा काफिले में शामिल किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने बताया कि दुर्घटना के बाद जितिन प्रसाद बिना देर किए दूसरी कार में सवार होकर अगले कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए निकल गए। हादसे में जितिन प्रसाद, उनके निजी सचिव और रसोईया घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि जितिन प्रसाद के सिर में मामूली चोट आई है। काफिले को एस्कॉर्ट कर रही गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया, इसके बाद जितिन प्रसाद की गाड़ी ने भी ब्रेक लगाया, लेकिन उनकी गाड़ी के पीछे वाली कार ने मंत्री की कार को पीछे से टक्कर मार दी। गाड़ी की स्पीड ज्यादा नहीं थी इसलिए हादसा बड़ा नहीं हुआ।

# भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ के जवान हाई अलर्ट पर

**अगरतला । आरएनएस**

बांग्लादेश में गंभीर स्थिति को देखते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान हाई अलर्ट पर हैं। बीएसएफ के त्रिपुरा फ्रंटियर महानिरीक्षक (आईजी) पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास ने कहा कि पड़ोसी देश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के कारण सीमा पर कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चुनौतियां हैं।

आईजी ने मीडिया से कहा, त्रिपुरा में 856 किलोमीटर की सीमा पर सुरक्षा चुनौतियां भी हैं क्योंकि राज्य लगभग पूरी तरह से बांग्लादेश से घिरा हुआ है। इस समय प्रमुख चिंताओं में से एक वहां पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी की है।

उन्होंने आगे कहा, वरिष्ठ बीएसएफ कमांडर सीमा पर वर्तमान स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। उच्चतम सतर्कता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बीएसएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है। हमारे पड़ोसी देश में अशांति के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जवान हाई अलर्ट पर हैं।

एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में करीब आठ हजार भारतीय छात्र हैं। उनमें से ज्यादातर कोमिल्ला, ब्राह्मणबरिया और ढाका के मेडिकल कॉलेजों में पढ़ते हैं। विभिन्न भारतीय राज्यों के 365 छात्र शनिवार शाम तक चार चेक पोस्टों से त्रिपुरा में प्रवेश कर चुके हैं।

बीएसएफ आईजी ने बताया कि बल ने छात्रों के सुरक्षित आगमन के लिए इन जांच चौकियों और आईसीपी पर सभी व्यवस्थाएं की हैं। छात्रों को जलपान, भोजन के पैकेट, परिवहन और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने छात्रों को भारत में प्रवेश दिलाने में काफी मदद की है। बीएसएफ अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय बनाए रखा है, ताकि पूरी प्रक्रिया बिना किसी गड़बड़ी के पूरी हो सके। बीएसएफ आईजी ने कहा, मैंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिए हैं कि वे चेक पोस्टों/आईसीपी के माध्यम से इन छात्रों के आगमन की व्यक्तिगत निगरानी करें ताकि उन्हें किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ बीजीबी का बहुत आभारी है। बीजीबी ने अगरतला सीमा से लगभग 40 किलोमीटर दूर ब्राह्मणबारिया मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे लगभग 36 फंसे हुए छात्रों के लिए अगरतला सीमा तक परिवहन और सुरक्षित मार्ग प्रदान करके छात्रों की मदद की है। यह बीएसएफ और बीजीबी के बीच सहयोग और अच्छे संबंधों का प्रमाण है।

बीएसएफ अधिकारी ने कहा कि उन्हें आने वाले दिनों में और अधिक छात्रों के सीमा पर आने की उम्मीद है। बीएसएफ उन्हें सभी प्रकार की सहायता देने और उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, हम स्थिति से पूरी तरह अवगत हैं। सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाकर सीमा पार से आपराधिक तत्व न घुस सकें।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ढाका स्थित उच्चायोग तथा चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना स्थित सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों की किसी भी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर उपलब्ध हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिल्ली में कहा कि बांग्लादेश में आठ हजार 500 छात्रों समेत करीब 15 हजार भारतीय नागरिक रहते हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

बता दें कि सरकारी नौकरियों के लिए कोटा सिस्टम में सुधार की मांग कर रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश में हिंसा भडक़ उठी थी।

प्रदर्शनकारी छात्रों और पुलिस के बीच झड़पों में अब तक कम से कम 133 लोग मारे गए हैं।

## सरकारी छात्रावास में एक साथ 40 से अधिक लड़कियां हुईं बीमार, 10 की हालत गंभीर- प्रशासन में मचा हड़कंप

**बड़वानी । आरएनएस**

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में एक सरकारी छात्रावास में रहने वाली 40 से अधिक लड़कियां बीमार हो गईं; जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, इनमें से 10 की हालत गंभीर होने की वजह से इन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी देवयानी अहरवाल ने बताया कि यह घटना शनिवार को निवाली के कस्तूरबा कन्या आश्रम में हुई। उन्होंने बताया, लगभग 44 लड़कियों ने उल्टी, दस्त और बुखार की शिकायत की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां 10 को भर्ती कराया गया और बाकी को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। 10 में से पांच लड़कियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

**मेडिकल रिपोर्ट का किया जा रहा इंतजार**

जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने आगे कहा, हम मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं यह पता लगाने के लिए कि वे बीमार क्यों पड़े। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि विश्लेषण के लिए छात्रावास से पानी और भोजन के नमूने एकत्र किए गए हैं।

इससे पहले तेलंगाना के मेडक जिले में लड़कियों के लिए एक सरकारी आवासीय विद्यालय के छात्रावास में नौ छात्राओं को चूहों ने काट लिया था। एक अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, छात्राओं को रात को चूहों ने काट लिया, जब वे छात्रावास के एक कमरे में सो रही थीं।

अधिकारी के मुताबिक, उनका रामायमपेट मंडल के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज किया गया और छुट्टी दे दी गई। अधिकारी ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि वे चूहों के आतंक को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

## दुनिया ने माना इसरो का लोहा, चंद्रयान-3 को मिलेगा विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार

**नई दिल्ली । आरएनएस**

चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला दुनिया का पहला देश बना दिया था। अब इस कार्यक्रम को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। चंद्रयान-3 को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष महासंघ ने विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार से सम्मानित किया है। भारत के अलावा अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की उपलब्धि हासिल की है।

पुरस्कार समारोह का आयोजन 14 अक्टूबर को इटली के मिलान में 75वें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान किया जाएगा। बता दें कि चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को सफल लैंडिंग की थी। इसके करीब एक साल के बाद उसे यह उपलब्धि हासिल होने वाली है।

महासंघ ने कहा, इसरो द्वारा चंद्रयान-3 मिशन वैज्ञानिक जिज्ञासा और लागत प्रभावी इंजीनियरिंग के तालमेल का उदाहरण है। यह उत्कृष्टता के लिए भारत की प्रतिबद्धता और अंतरिक्ष अन्वेषण द्वारा मानवता को प्रदान की जाने वाली विशाल क्षमता का प्रतीक है। चंद्रमा की संरचना और भूविज्ञान के पहले से अनदेखे पहलुओं को तेजी से उजागर करते हुए यह मिशन नवाचार के लिए एक वैश्विक वसीयतनामा है।

चंद्रयान-3 की कई उपलब्धियों में से एक भारत के अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्रों का सफल समन्वय था। इसमें मिशन का प्रणोदन मॉड्यूल परमाणु प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित था। चंद्रयान-3 की लैंडिंग की पहली वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए देश भर में कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

## अमरोहा में मालगाड़ी के 6 डिब्बे पटरी से उतरे, दिल्ली-लखनऊ को जोड़ने वाले दोनों रेलवे ट्रैक बंद

**अमरोहा । आरएनएस**

उत्तर प्रदेश के अमरोहा में मालगाड़ी के 6 डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके बाद दिल्ली को लखनऊ से जोडऩे वाली रेलवे लाइन के दोनों ट्रैक बंद हो गए, और रेलवे यातायात प्रभावित हुआ। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। इस घटना पर अमरोहा के जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह चहल ने बात की है। सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस मालगाड़ी में कंटेनर थे और लगभग 7 बजकर 10 मिनट पर यह दुर्घटना हुई। इस दौरान मालगाड़ी के बीच से 5-6 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं, और कुछ डिब्बे पलट गए हैं। ड्राइवर की तरफ के अगले चार डिब्बे सुरक्षित लाइन पर नहीं है। पूरा पुलिस प्रशासन यहां मौजूद है, रेलवे वाले भी आ रहे हैं। इस घटना के पीछे का कोई कारण अभी नहीं नजर आ रहा है। किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि लाइन के ऊपर डिब्बे बिखरे हुए हैं, लाइन दिखाई नहीं दे रही है। डिब्बों का उतरना जांच का विषय है, फिलहाल यहां के ट्रैक बाधित हैं। जानकारी के मुताबिक ट्रेनों की आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक मार्ग खोला गया है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में गुरुवार को ऐसी ही घटना हुई थी। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण बड़ा हादसा हुआ था। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक ट्रेन के कुछ डिब्बों के पटरी से उतर जाने से चार लोगों की मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेकर स्थानीय प्रशासन को प्रभावित यात्रियों की हर संभव मदद का निर्देश दिया था। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि घायलों को सही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो।

राजधानी लखनऊ से करीब 150 किलोमीटर दूर दुर्घटनास्थल पर दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों ने पलटे एसी कोच के शीशे तोडक़र अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला था। कुछ ही देर में एसडीआरएफ, पुलिस व आरपीएफ के जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया था।

## केदारनाथ पैदल मार्ग पर दर्दनाक हादसा, लैंडस्लाइड में तीन यात्रियों की मौत-कई दबे; रेस्क्यू जारी

**केदारनाथ । आरएनएस**

केदारनाथ पैदल मार्ग पर रविवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां मलबा आने के कारण यात्रियों के मलबे में दबे होने की सूचना है। तीन यात्रियों के शवों को मलबे से निकाल लिया गया है। इन सभी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। जबकि एक अन्य घायल को भी निकाला गया है, जिसका उपचार किया जा रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि आपदा कन्ट्रोल रूम को रविवार सुबह 7.30 बजे के करीब सूचना प्राप्त हुई कि केदारनाथ यात्रा मार्ग पर चीरबासा के पास पहाड़ी से मलबा व भारी पत्थर आने से यात्रियों के दबने की सूचना है।

सूचना मिलते ही यात्रा मार्ग में तैनात सुरक्षा कर्मी, जिसमें एनडीआरएफ, डीडीआर, वाईएमएफ प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य में लग गई। रेस्क्यू टीम द्वारा मलबे से तीन व्यक्तियों के शवों को निकाल लिया गया है। राहत व बचाव के लिए सर्च अभियान जारी है।

## केरल में एक बार फिर निपाह वायरस की दस्तक, 14 वर्षीय लड़के की मौत

❐ हाईलेवल मीटिंग के बाद अलर्ट जारी

**नई दिल्ली । आरएनएस**

केरल के मलप्पुरम में 14 वर्षीय किशोर की निपाह वायरस की चपेट में आने से मौत हो गई है। पीड़ित का एक अस्पताल में इलाज चल रहा था और रविवार को दिल का दौरा पडऩे से उसकी मौत हो गई। एनआईवी पुणे की तरफ से निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि की गई थी। निपाह को लेकर हाईलेवल मीटिंग के बाद सरकार अलर्ट हो गई है।

केंद्र सरकार ने मौत के बाद राज्य सरकार से इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जरूरी उपाय करने की बात कही है। इसके साथ ही मामले की जांच, महामारी विज्ञान संबंधों की पहचान और तकनीकी सहायता के साथ राज्य की सहायता के लिए एक जॉइंट आउटब्रेक केंद्रीय टीम तैनात की जाएगी। स्थिति का जायजा लेने के लिए विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम राज्य में भेजी जाएगी। इससे राज्य सरकार को संक्रमण से निपटने में भी मदद मिलेगी। केरल में पिछले साल भी निपाह वायरस के संक्रमण से मौत दर्ज की गई थी। निपाह वायरस का प्रकोप कोझिकोड जिले में था। वायनाड के इस पड़ोसी जिले में वायरस से छह लोग संक्रमित हुए थे जिनमें से दो की मौत हो गई। साल 2018, 2021 और 2023 में कोझिकोड जिले में और 2019 में एर्नाकुलम जिले में निपाह संक्रमण फैलने के मामले दर्ज किए गए थे। कोझिकोड, वायनाड, इडुक्की, मलप्पुरम और एर्नाकुलम जिलों के चमगादड़ों में निपाह वायरस की एंटीबॉडी की उपस्थिति का पता चला था।

## सर्वदलीय बैठक में उठी तीन राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग, नीट, 'नेम प्लेट' समेत कई मुद्दों पर हुआ मंथन

**नई दिल्ली । आरएनएस**

संसद के बजट सत्र से पहले सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में एनडीए में शामिल सरकार की सहयोगी जेडीयू से संजय झा और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की।

जेडीयू ने कहा कि अगर विशेष राज्य का दर्जा देने में कोई दिक्कत है तो फिर बिहार को विशेष पैकेज दिया जाए। विपक्षी पार्टी राजद ने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करने के साथ ही राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की भी मांग की। बीजू जनता दल ने सर्वदलीय बैठक में ओडिशा को भी विशेष राज्य का दर्जा देने का मुद्दा उठाया।

जेडीयू ने बिहार में लगातार आने वाली बाढ़ के मुद्दे को उठाते हुए भारत सरकार से इस पर कदम उठाने और पड़ोसी देश नेपाल से भी बात करने की मांग की। कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक में लोकसभा में डिप्टी स्पीकर बनाने और यह पद विपक्ष को देने की मांग की। कांग्रेस ने इसके साथ ही नीट मामले पर भी सदन में चर्चा की मांग की।

कांग्रेस से गौरव गोगोई, आप से संजय सिंह, सपा से रामगोपाल यादव, एआईएमआईएम से असदुद्दीन ओवैसी और लेफ्ट दलों सहित अन्य कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने कावंड़ यात्रा के दौरान 'नेम प्लेट' लगाने के योगी सरकार के फैसले को बैठक में उठाया। बीजद ने ओडिशा और वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में कानून-व्यवस्था का मुद्दा भी सर्वदलीय बैठक में उठाया।

सर्वदलीय बैठक से बाहर आने के बाद एनसीपी (अजित पवार) गुट के सांसद प्रफुल्ल पटेल ने मीडिया से बात करते हुए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार से 'नेम प्लेट' को लेकर किए गए फैसले को वापस लेने की मांग की।